भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 433
31.03.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

*****

केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)

***433. श्री ओम पवन राजेनिंबालकर:**
डॉ. चंद्र सेन जादौन:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का किसान समुदाय के व्यापक हित के लिए मंत्रालय के अधीन कार्यरत विभिन्न संस्थानों के कार्यकरण की समीक्षा करने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उर्वरकों के अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) जैसी संस्थाओं द्वारा किए गए प्रमुख योगदान का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार देश भर के विभिन्न राज्यों में सिपेट की नई शाखाएं स्थापित करने की योजना बना रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान देश के विभिन्न भागों में स्थापित सिपेट की नई शाखाओं का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का सिपेट जैसी अन्य संस्थाओं की स्थापना करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्री (डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (ङ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) के संबंध में लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 433 के भाग (क) से (ड़) के 31.03.2023 को दिए जाने वाले उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग के अधीन दो स्वायत्त संस्थाएं काम कर रही हैं।

I. केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) - यह देश में पेट्रोरसायन और संबद्ध उद्योगों के विकास के लिए कौशल विकास, प्रौद्योगिकी सहायता, शैक्षणिक और अनुसंधान एवं विकास संबंधी गतिविधियों में संलिप्त है।

II. कीटनाशक सूत्रीकरण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईपीएफटी) - यह कीटनाशकों के उपयोगकर्ता और पर्यावरण के अनुकूल नई पीढ़ी के सूत्रीकरण और परीक्षण के विकास में लगा हुआ है।

विभाग इन संस्थानों के कामकाज की समय-समय पर समीक्षा करता है।

(ख): सिपेट और आईपीएफटी उर्वरकों के अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में काम नहीं कर रहे हैं। हालाँकि, सिपेट वर्तमान में पॉलिमर और संबद्ध विषयों के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाएँ चला रहा है और आईपीएफटी कीटनाशकों के अनुसंधान और परीक्षण में संलिप्त है।

(ग): विभाग द्वारा बाड़मेर (राजस्थान), बीदर (कर्नाटक), थूटुकुडी (तमिलनाडु), साणंद (गुजरात), अयोध्या (उत्तर प्रदेश) और बिहटा (बिहार) **में छह नए सिपेट केंद्रों की स्थापना** पर विचार किया जा रहा है।

(घ): पिछले पांच वर्षों के दौरान स्थापित केंद्रों का विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	वर्ष	केंद्र	राज्य
1.	**2017**	सीएसटीएस: अगरतला	त्रिपुरा
2.	**2017**	सीएसटीएस: चंद्रपुर	महाराष्ट्र
3.	**2017**	सीएसटीएस: रांची	झारखंड
4.	**2018**	सीएसटीएस: देहरादून	उत्तराखंड
5.	**2018**	सीएसटीएस : कोरबा	छत्तीसगढ़
6.	**2019**	उप-केंद्र, पलक्कड़	केरल
7.	**2019**	उप-केंद्र, तमोट	मध्य प्रदेश
8.	**2019**	उप-केंद्र, पारादीप	ओडिशा
9.	**2021**	आईपीटी: जयपुर	राजस्थान
10.	**2021**	सीएसटीएस: वाराणसी	उत्तर प्रदेश
11.	**2022**	सीएसटीएस: भागलपुर	बिहार
12.	**2022**	उप-केंद्र, भावनगर	गुजरात

आईपीटी: पेट्रोरसायन प्रौद्योगिकी संस्थान

सीएसटीएस: कौशल और तकनीकी सहायता केंद्र

(ङ): वर्तमान में विभाग सिपेट जैसी अन्य संस्थाओं की स्थापना के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रहा है।

*****